इंदौर, गुरुवार 16 जनवरी 2014 | 09

नया ज़माना नया अख़बार
पीपुल्स समाचार

नासमझी से हो सकती है सायबर क्राइम

यंग रिपोर्टर • इंदौर
editor@peoplessamachar.co.in

इंटरनेट और सोश्यल बेवसाइट्स लोगों के लिए जितनी सुविधाजनक है, उतनी ही खतरनाक भी। इन वेबसाइट को पूरी जानकारी के बगैर इस्तेमाल करना साइबर क्राइम हो सकता है। फेस बुक, ट्वीटर जैसी सोश्यल वेबसाइट पर अत्यंत निजी जानकारी डालना भी खतरनाक साबित हो सकता है। यह बात आईजी वरुण कपूर ने अग्रवाल पब्लिक स्कूल में सायबर क्राइम पर आयोजित सेमिनार में कही।

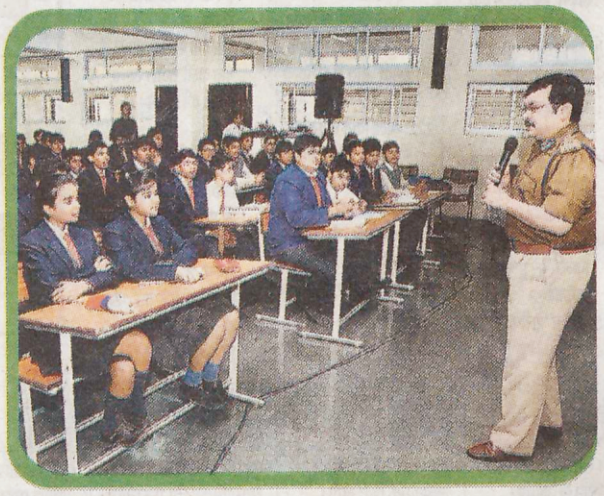

इंटरनेट पर न डालें पर्सनल डिटेल्स

वरुण कपूर ने बड़ी क्लासेस के स्टूडेंट्स को इंटरनेट का उपयोग करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में बताते हुए कहा कि इंटरनेट पर सामने वाले को जाने बगैर अपनी निजी बातें, बैंक डिटेल, फैमिली डिटेल शेयर करना खतरनाक हो सकता है। बड़ी इनामी योजनाओं से साइबर क्रिमिनल लोगों को फंसाते हैं और रुपया ऐंठते हैं। किसी भी लालच में आने की बजाय ऐसे किसी भी इंटरेक्शन को नजरंदाज करना ही बेहतर होगा। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने टीनएजर्स को सोश्यल वेबसाइट पर सिर्फ जरूरी काम करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि फालतू की दोस्ती घातक हो सकती है, इसलिए जिन्हें जानते हैं, उन्हें ही अपना दोस्त बनाएं।

कार्यक्रम में स्टूडेंट्स को साइबर क्राइम विषयों से अवगत कराने हेतु सुदीप गोयनका डीएस इंदौर पुलिस बतौर विशेष अतिथि उपस्थित थे। विद्यालय की प्राचार्या मंजु हेमनानी ने अतिथियों का स्वागत किया।